

मङ्गल गौरी के लाल - तेरी जै होवे
 तीन लोक दिगपाल - तेरी जै होवे
 तेरी जय होवे - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - तेरी जय होवे

मङ्गल गौरी के लाल - तीन लोक दिगपाल -

प्रथम पूज तुम ही कहलाते
 हँस के हमको क्यों बहलाते
 अब पूरे करो सवाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - ॥४॥ मङ्गल गौरी -

स्वर्ण मुकुट रत्नों से चमके
 तिलक भाल ये दम - दम दमके
 सोहे, गले मणियों की माल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - ॥४॥ मङ्गल गौरी -

अगर कपूर फूल - बेल पाती
 नमन करूँ तुमको दिन राती
 सब चिन्ताओं को टाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - ॥४॥ मङ्गल गौरी -

होत प्रभात तुम्हें नित दयाऊँ
 प्रिय मोदक का भोग लगाऊँ
 भर-भर मोदक थाल- तेरी जय होवे....
 तेरी जय होवे-----॥४॥ म० गौरी-----

दीन दुखी के हो रखवारे
 तीन लोक के तुम उज्यारे
 मेरी बिगड़ी बात सम्हाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे-----॥४॥ म० गौरी-----

त्राहि-त्राहि जब देव पुकारें
 असुरन दल को ये संधारे
 तुम सबके हो प्रतिपाल- तेरी जय होवे..
 तेरी जय होवे-----॥४॥ म० गौरी-----

सभी भक्त मिल द्वार खड़े हैं
 "श्रीबाबा श्री" तेरी शरण पड़े हैं
 कर दो सबको निहाल- तेरी जय होवे
 कर दो माला माल- तेरी जय होवे

तेरी जय होवे - तेरी जय होवे

तेरी जय होवे - तेरी जय होवे

~~मर्ल~~ गौरी के लाल - तेरी जय होवे

तीन लोक दिगपाल - तेरी जय होवे

तेरी जय होवे..... ~~मर्ल~~ गौरी के.....

गणपति बप्पा मोरया - जब भी पुकारूँ जल्दी आ
गणपति बप्पा ^{sss} मोरया - जब भी पुकारूँ ^{sss} जल्दी आ

जब भी पुकारूँ ^{ssssssss} जल्दी आ

जब भी पुकारूँ ^{ssssss} जल्दी आ

जल्दी आ बप्पा जल्दी आ - जल्दी आ बप्पा जल्दी आ

गणपति बप्पा मोरया - जब भी पुकारूँ जल्दी आ

जब भी पुकारूँ ^{ssssss} जल्दी आ

जब भी पुकारूँ ^{ssssss} जल्दी आ

बप्पा मोरया ^{ssss} बप्पा मोरया

बप्पा मोरया ^{ssss} बप्पा मोरया

गणपति बप्पा मोरया - जब भी पुकारूँ जल्दी आ

गणपति बप्पा ^{sss} मोरया - जब भी पुकारूँ जल्दी आ

गणपति बप्पा.....